SET-1

Series JBB/5

Code No. **4/5/1**

Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10** है।
- प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में **16** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र कर वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी (HINDI)

पाठ्यक्रम (COURSE-B)

संकेत एवं उत्तर (HINTS & SOLUTIONS)

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम् : 80**

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए:

(i) प्रश्न–पत्र में चार खण्डों में विभाजित किया गया है– **क, ख, ग** एवं **घ।** सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) **खण्ड क** में प्रश्न अपठित गद्यांश पर आधारित हैं।

(iii) **खण्ड ख** में प्रश्न संख्या **2** से **6** तक प्रश्न व्याकरण के हैं।

(iv) **खण्ड ग** में प्रश्न संख्या **7** से **11** तक प्रश्न पाठ्य–पुस्तकों से हैं।

(v) **खण्ड घ में** प्रश्न संख्या **12** से **16** तक प्रश्न रचनात्मक लेखन के हैं।

(vi) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

(vii) उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होने चाहिए और साथ ही दी गई शब्द सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए।

(viii) प्रश्न–पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है। तथापि, कुछ प्रश्नों में आतंरिक विकल्प दिए गए हैं। ऐसे प्रश्नों में से केवल **एक ही विकल्प का उत्तर** लिखिए।

(ix) इसके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं।

खण्ड –क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

जीवन के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण क्या हैं? मेरे विचार से इसका आशय है हर चीज की जाँच–परख करना, गलतियाँ करते हुए और उनसे सीखकर और परीक्षण करके सत्य की तलाश करना। यह कभी नहीं कहना कि ऐसा ही होना चाहिए, बल्कि इस बात को समझना कि ऐसा क्यों है। पूरी तरह आश्वस्त होकर उसे स्वीकार करना, अपने विचारों को बदलने की क्षमता रखना। इस प्रकार का खुला दिमाग रखना, जो जहाँ से भी मिले सच्चाई ग्रहण करने का इच्छुक रहे। अगर यही संस्कृति है तो हमारी बहुत–सी राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं को हल करना आसान हो जाएगा।

प्रायः दुनिया का हर देशवासी यह विश्वास करता है कि स्रष्टा ने उसे कुछ विशेष गुण देकर भेजा है, कि वही दूसरों की अपेक्षा श्रेष्ठ जाति या समुदाय का है। दूसरे चाहे अच्छे या बुरे, लेकिन उससे कुछ घटिया प्राणी हैं। अपनी इस धारणा के बावजूद कि हम कई चीजों में दूसरों से श्रेष्ठ हैं, इतिहास इस बात का प्रमाण है कि ऐसे देशों को कुछ विशेष परिस्थितियों में मजबूर होकर यह मानना पड़ा कि उन्हें भी हराया जा सकता है और उनका शोषण किया जा सकता है। हम भी भौतिक और तकनीकी चीजों में बहुत आगे बढ़े हुए नहीं थे, लेकिन ये बड़ी ऊपरी चीजें हैं, फिर भी हम जरूरी चीजों में आध्यात्मिकता और नैतिकता में, दूसरों से ऊँचे हैं किन्तु सत्य यह भी है कि एक ही बात को पकड़ कर बैठे रहना जड़ता को जन्म देता है। हमें खुले मन–मस्तिष्क से अपने पारंपरिक विचारों को वैज्ञानिक चिंतन की कसौटी पर कसने–परखने के लिए तत्पर रहना चाहिए और यदि कोई बात, कोई मान्यता आज अवैज्ञानिक सिद्ध हो तो उसे त्यागने या उसमें परिमार्जन करने में संकोच नहीं करना चाहिए क्योंकि यही वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रमुख लक्षण है।

(क) वैज्ञानिक दृष्टिकोण को लेखक ने कैसे समझाया है?

उत्तर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से लेखक का आशय यह है कि हर चीज की परख मानव को होनी चाहिए वह गलतियाँ करते हुए उनसे सीखकर और उन पर परीक्षण करते हुए सत्य की तलाश करनी चाहिए।

(ख) हमें जीवन की समस्याओं का सामना कैसे करना चाहिए और क्यों ? 2

उत्तर हमें जीवन की समस्याओं का सामना उस तरह से करना है कि जीवन में आने वाले समस्या से आश्वस्त होकर उसे स्वीकार करना चाहिए और अपने व्यक्तिगत विचारों को बदलने की क्षमता भी रखनी चाहिए।

(ग) प्रायः लोग अपने बारे में क्या धारणा रखते हैं और उनके बारे में इतिहास क्या सिद्ध करता हैं? 2

उत्तर प्रायः लोग अपने बारे में यह धारणा रखते हैं कि ईश्वर ने उसे विशेष गुण देखकर भेजा है और वही दूसरो की अपेक्षा श्रेष्ठ जाति या समुदाय का है दूसरे चाहे अच्छे हो या बुरे लेकिन इतिहास इस बात को सिद्ध करता है कि हम चाहे तो उन्हे भी हम हरा भी सकते है।

(घ) लेखक के अनुसार हम किन बातों में अन्य लोगों से श्रेष्ठ हैं? उनमें बदलाव की आवश्यकता क्यों पड़ सकती है? 2

उत्तर आध्यात्मिकता, नैतिकता और उन्नति में श्रेष्ठ है, किन्तु सत्य यह भी है कि एक ही बात को पकड़ कर बैठे रहना जड़ता को जन्म देता है।

(ङ) राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान कब संभव है? 1

उत्तर राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान तभी संभव है जब हमारी भारतीय संस्कृति कायम रहे जिससे कि हम खुला दिमाग रखकर सच्चाई को ग्रहण कर सकें।

(च) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर ''जीवन के प्रति हमारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण''

<u>खण्ड ख</u>

2. शब्द कब पद बन जाता है, उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 1

उत्तर– **शब्द–**जब कोई शब्द व्याकरण के नियमों, प्रत्यय, उपसर्ग, वचन, लिंग, कारक, पुरूष आदि में बँधकर किसी वाक्य में प्रयुक्त होता है, तो वह शब्द स्वतंत्र शब्द न रहकर पद कहलाता है, जैसे–'<u>संन्यासी</u> सोता है।' प्रस्तुत वाक्य में 'सन्यासी शब्द पद है।

3. **निम्नलिखित वाक्यों का निर्देशानुसार रूपांतरण कीजिए :** 1 × 3 = 3

(क) ठाकुरबारी के जो कमरे खुले थे, उनकी तलाशी पहले से ही ले ली गई थी। (सरल वाक्य में)

उत्तर– ठाकुर बारी के खुले कमरों की तलाशी पहले से ही ले ली गई थी

(ख) बंद कमरों को भी खोलकर देखा गया था। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर– जो कमरे बंद थे, उनको भी खोलकर देखा गया था ।

(ग) जब पुलिस ने वृद्ध साधु से हरिहर काका के बारे में पूछा तब उसने कुछ भी बताने से इंकार कर दिया। (संयुक्त वाक्य में)

उत्तर– पुलिस ने वृद्ध साधु से हरिहर काका के बारे मे पूछा लेकिन उसने कुछ भी बताने से इंकार कर दिया।

4. **(क)** **निम्नलिखित सामासिक पदों का विग्रह करके समास के नाम भी लिखिए :** 1 × 2 = 2

(i) महात्मा

(ii) खाना–पीना

उत्तर– (i) महान है जो आत्मा (कर्मधारय समास)

(ii) खाना और पीना (द्वन्द्व समास)

(ख) **निम्नलिखित पदों के समस्त पद बनाकर समास के नाम भी लिखिए :** 1 × 2 = 2

(i) धीरे ही धीरे

(ii) बंधन से मुक्त

उत्तर– (i) धीरे–धीरे (अव्ययीभाव समास)

(ii) बंधनमुक्त (अपादान तत्पुरुष)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 1 × 4 = 4

(क) सोनाली ने आम को खाया।

(ख) जब भी आप आओ मुझसे मिलो।

(ग) उदिता छत में खेल रही है।

(घ) माउंट आबू की प्राकृतिक सौंदर्यता देखते ही बनती है।

उत्तर– (क) सोनाली ने आम खाया।

(ख) आप आकर मुझसे मिलो।

(ग) उदिता छत पर खेल रही है।

(घ) माउंट आबू का प्राकृतिक सौंदर्य देखते ही बनता है।

6. निम्नलिखित मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए : 1 × 4 = 4

(क) आँखों में धूल झोंकना

(ख) कूट–कूट कर भरना

(ग) हक्का–बक्का रह जाना

(घ) अपने पैरों पर खड़े होना

उत्तर– (क) वाक्य प्रयोग :– चोर जेल जाने के डर से पुलिस की आँखों में धूल झोंकता है।

(ख) वाक्य–प्रयोग :– झाँसी की रानी लक्ष्मी बाई में देश भक्ति कूट–कूट कर भरी थी ।

(ग) वाक्य–प्रयोग :– अचानक चाचाजी को सामने देखकर सभी बच्चे हक्के–बक्के रह गए।

(घ) वाक्य–प्रयोग :– आकाश के माता–पिता बहुत खुश है, क्योंकि वह अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

खण्ड ग

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 30 - 40 शब्दों में लिखिए : 2 × 3 = 6

(क) कर्नल ने वजीर अली के बारे में क्या–क्या सुन रखा था ? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर– कर्नल को वजीर अली की कहानियाँ सुनकर रॉबिनहुड के कारनामे याद आ जाती थी। रॉबिनहुड की ही तरह वजीर अली के मन में भी अंग्रेजों के खिलाफ बहुत अधिक नफरत भरी पड़ी थी। वजीर अली भी रॉबिनहुड की ही तरह बहादुर था और अंग्रेजों को अपने देश से निकालना चाहता था।

(ख) आज भी तताँरा वमीरो की प्रेमकथा घर–घर में सुनाई जाती है, क्यों ?

उत्तर– अंडमान और निकोबार द्वीप बहुत समय पहले एक ही हुआ करते थे। ऐसा माना जाता कि तताँरा नामक युवक ने अपने तलवार से अंडमान और निकोबार द्वीप के दो टुकड़े कर दिए। ऐसा इसीलिए हुआ क्योंकि तताँरा नामक युवक और वामीरो नाम युवती एक दूसरे से प्रेम करते थे मगर दूसरे गांव के होने के कारण और जाति धर्म के आधार पर उनका विवाह नहीं हो सका। इसीलिए तताँरा को बहुत गुस्सा आया और उसने दोनों गांव के बीच तलवार जमीन में गाड़ दी जिससे जमीन के दो हिस्से हो गए।

(ग) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए 26 जनवरी 1931 को सारे हिंन्दुस्तान में कौन–सा स्वतंत्रता दिवस मनाया गया और इस दिन बड़े बाजार का दृश्य कैसा था?

उत्तर– 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए 26 जनवरी 1931 को सारे हिंन्दुस्तान में पहला स्वतन्त्रता दिवस स्वतंत्रता दिवस मनाया गया, और इसकी तैयारी के क्रम में बड़े बाजार में प्रायः मकानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहरा रहा था और कई मकानों को अत्यंत सुंदरता से सजाया गया था। कलकत्ते में इतने झंडे लगाए गए थे कि हर रास्ते में झंडे ही झंडे नजर आ रहे थे। ऐसी भव्य सजावट कलकत्ता में पहली बार की गई थीं स्वतंत्रता दिवस के इस कार्यक्रम को विफल बनाने के लिए अंग्रेजों ने जगह–जगह पुलिस तैनात कर दी थी। मोटर और लारियों में गोरखे और सार्जेंट प्रत्येक मोड़ पर तैनात थे। घुडसवारों का भी प्रबंध था। सारी पुलिस को इसी काम में लगा देने से बड़े–बड़े पार्को और मैंदानों में पुलिस ही पुलिस घूम रही थी।

(घ) बड़े भाई साहब के अनुसार सफल खिलाड़ी कौन होता है?

उत्तर– बड़े भाई साहब के अनुसार सफल खिलाड़ी वही कहलाता है, जिसका निशाना कभी खाली नहीं जाता है। और जो अपने घर को अपनी सफलता के आधार पर मजबूती प्रदान करता है चाहे उसके लिए कितना ही समय क्यों ना लगें।

खंड–घ

8. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर 80– 100 शब्दों में लिखिए :

'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ में प्रकृति और मानव संबंधों के बारे में क्या चेताया गया है और हम उसकी रक्षा कैसे कर सकते हैं ? **5**

उत्तर– ''अब कहाँ दूसरे के दुःख में दुखी होने वाले'' पाठ के अनुसार मानव ही प्रकृति में आए असंतुलन के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है। ईश्वर ने धरती के साथ–साथ अनगिनत ऐसी वस्तुएँ बनाई है, जो मानव हित में है, लेकिन स्वंय को बुद्धिमान समझने वाला मानव इन सबसे लाभ उठाकर स्वार्थी हो गया। स्वार्थ के वशीभूत होकर उसने नई–नई खोज करनी शुरू कर दीं। नई–नई खोजों की लालसा में उसने प्रकृति का अत्यधिक दोहन करना शुरू कर दिया। दोहन इतना अधिक कि सहनशील प्रकृति भी व्याकुल हो उठी।

समय–समय पर उसने अपनी व्याकुलता छोटी–छोटी प्राकृतिक आपदाओंः जैसे–तूफानों का आना, असमय वर्षा का होना, बाढ़ आना, अत्यधिक गर्मी व सर्दी का होना आदि माध्यमों से प्रकट भी की, परन्तु लालच के वशीभूत मानव, प्रकृति की इन चेतावनियों को अनदेखा करता रहा।

इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि आज मनुष्य ऐसी भंयकर प्राकृतिक आपदाओं को झेल रहा है, जिनका समाधान वह बुद्धि के बल पर नहीं कर पा रहा है। वह निरीह और असहाय–सा सब कुछ नष्ट होते हुए देखने को विवश है।

अथवा

'झेन की देन' में किस बात को प्रतिपादित किया गया है ? उस पर अपने विचार लिखिए।

उत्तर– जापान के अस्सी फीसदी लोग तनाव के कारण मन से अस्वस्थ है। इसका कारण उनके जीवन की बढ़ती रफ्तार है। यहाँ कोई चलता नहीं, बल्कि दौड़ता है। अमेरिका से प्रतिस्पर्द्धा के कारण एक महीने में पूरा होने वाला काम एक दिन में ही पूरा करने की कोशिश की जाने लगी। दिमाग की रफ्तार वैसे ही हमेशा तेज रहती है, उसकी रफ्तार और तेज करने से दिमाग का तनाव बहुत अधिक बढ़ जाता है। इसी कारण जापान में मानसिक रोग बढ़ गए है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30 – 40 शब्दों में लिखिए : 2×3=6

(क) कबीर ने 'ईश्वर प्रेम' को किस प्रकार समझाया है?

उत्तर– कबीर ने ईश्वर प्रेम को समझाते हुए कहा है कि परमात्मा के केवल नाम स्मरण श्रद्धा व भक्ति के साथ करने मात्र से ही मनुष्य पंडित या ज्ञानी बन सकता है तथा जब मनुष्य राम वियोगी हो जाता है तो वह जीवित नहीं रहता या उसका व्यवहार पागलों के समान होने लगता है।

(ख) मीरा हरि से अपनी पीड़ा दूर करने के लिए उन्हें क्या–क्या याद दिलाती हैं ?

उत्तर– मीरा अपने आराध्य श्री कृष्ण से प्रार्थना करती है कि जिस प्रकार आपने महाभारत के इतिहास में द्रोपदी के चीर हरण के समय उन्हें वस्त्र प्रदान करके उसकी लाज बचाई। जलाशय डूबते हुए गजराज को बचाकर उसकी पीड़ा को शांत किया तथा आपने ही अपने परम भक्त प्रहलाद की जान बचाने के लिए नरसिंह रूप धारण किया, उसी प्रकार मुझे भी पारिवारिक संतापों, पीड़ा आदि को दूर करके मोक्ष प्रदान करने की कृपा करें। इन सभी बातों को याद दिलाती है।

(ग) 'तोप' की शूरवीरता के बारे में क्या कहा गया है ?

उत्तर– इस कविता में तोप के विषय में जानकारी मिलती है कि यह अंग्रेजों के समय की तोप है। 1857 में इसका प्रयोग शक्तिशाली हथियार के रूप में किया गया था। इसने अनगिनत शूरवीरों स्वतंत्रता सेनानियों के धज्जे उड़ा दिए थें।

(घ) रवींद्रनाथ ठाकुर सुख के दिनों में क्या कामना करते हैं और क्यों ?

उत्तर– रवीन्द्र नाथ ठाकुर सुख के दिनों में संसार के सामने नत मस्तक रहने की कामना करता है जिससे वह दूसरों पर परोपकार कर सके।

10. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर 80–100 शब्दों में लिखिए :

'मनुष्यता' कविता के आधार पर लिखिए कि उदार व्यक्ति के कौन–कौन से गुण उसे अलग पहचान देते है। अपने परिचितों में से किसी एक का उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए कि उसे उदार व्यक्ति कैसे कहा जा सकता है । 5

उत्तर– कवि ने परोपकार, दया तथा उदारता जैसे गुणों के संदर्भ में दधीचि, कर्ण इत्यादि महान् व्यक्तियों की चर्चा कविता में की है। दधीचि ने देवताओं की रक्षा के लिए अपनी हड्डियों को दानकर दिया, जिससे इंद्र के अस्त्र वज्र का निर्माण हुआ तथा असुरों की पराजय हुई। दधीचि का परोपकार मनुष्यता के इतिहास में प्रशंसित है। दानवीर कर्ण ने अपने वचन को पूरा करने के लिए, अपने शरीर–चर्म के रूप में विद्यमान कवच–कुंडल का दान कर दिया। राजा शिवि ने पक्षी के प्राणों की रक्षाहेतु अपने शरीर का माँस काटकर दे दिया। रंतिदेव ने भूखे अतिथियों के लिए अपने हिस्से का भोजन उन्हें ग्रहण करने हेतु दे दिया।

अथवा

आपके विचार से 'कर चले हम फिदा' में ऐसा क्या है कि कविता सभी भारतीयों के लिए प्रेरक बन जाती है? विस्तार से समझाइए । **5**

उत्तर– 'कर चले हम फिदा' गीत में कवि ने सैनिकों के माध्यम से देश के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले लोगों की भावना को आलौकित किया है। देश की रक्षा में अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाला सैनिक ऐसी ही अपेक्षा आने वाली युवा पीढ़ियों से भी करता है। उसे देश के लिए 'मर–मिटना' अपने जीवन में सौंदर्य तथा प्यार की प्राप्ति से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण एवं अर्थपूर्ण लगता है। इसी में जीवन की सार्थकता है। देशभक्ति का उत्साह प्रवाहित करना ही 'कर चले हम फिदा' गीत का प्रेरणा है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 60–70 शब्दों मे लिखिए : 3×2=6

(क) 'रिश्तों की बुनियाद प्रेम है।' 'टोपी शुक्ला' पाठ से उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– टोपी शुक्ला नामक पाठ से ज्ञात होता है कि टोपी के घर में उसकी दादी उसके माता–पिता के अलावा एक बड़ा और एक छोटा भाई भी है। उसके घर में काम करने वाली सीता और केतकी नामक दो नौकरानियाँ है पर टोपी के लिए इस घर में कोई प्रेम नहीं है। टोपी को यह प्रेम अपने मित्र इफ़्फ़न उसकी दादी और अपने घर की नौकरानी सीता से मिलता है।

इस प्रेम के कारण जाति, धर्म, उम्र, पद, मालिक–नौकरानी का भेद नहीं आ पाता है। प्रेम के अभाव में वह अपने घरवालों से रिश्ता नहीं बना पाता है जबकि जहाँ उसे प्रेम मिलता है वहाँ नए रिश्ते बन जाते हैं। टोपी का अपने परिवार के सदस्यों से खून का रिश्ता है पर वहाँ प्रेम नहीं है और जहाँ रिश्ता नहीं है वहाँ प्रेम के कारण नए रिश्ते का अंकुरण हो जाता है। इस प्रकार निःसंदेह कहा जा सकता है कि प्रेम मानवीय रिश्तों की बुनियाद है।

(ख) 'हरिहर काका' पाठ से यह बात भी उभरती है कि आज समाज में बुजुर्गो के प्रति आदर–सम्मान कम होता जा रहा है। इस दिशा में आप क्या–क्या करना चाहेंगे?

उत्तर– समाज में रिश्तों की विशेष अहमियतता होती है। ये रिश्ते ही एक–दूसरे को अदृश्य डोर में बाँध रहते है। ये रिश्ते व्यक्ति को मान–सम्मान दिलाने में सहायक होते है। ये रिश्ते ही हैं है। जिनके कारण व्यक्ति दूसरे के दुख–सुख में काम आता है। यदि रिश्ते न हों तो समाज में एक तरह का जंगलराज और अव्यवस्था का वातावरण होगा, जिसमें कोई किसी को पहचानेगा ही नहीं। इससे स्वार्थपरता, निजता और आत्मकेंद्रितता आदि का बोलबाला हो जाएगा। भाईचारा, पारस्परिक सौहार्द्र, प्रेम किसी अन्य लोक की बातें बनकर रह जाएँगी।

खंड–घ

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए: 6

(क) जनसंख्या नियंत्रण

- जनसंख्या वृद्धि की समस्या
- नियंत्रण की आवश्यकता क्यों
- नियंत्रण कैसे ?

उत्तर– किसी राष्ट्र की प्रगति के लिए जनसंख्या एक महत्वपूर्ण संसाधन होती है, पर जब यह एक सीमा से अधिक हो जाती है तब यह समस्या का रूप ले लेती है। जनसंख्या वृद्धि एक ओर स्वयं समस्या है तो दूसरी ओर यह अनेक समस्याओं की जननी भी है। यह परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति पर बुरा असर डालती है। जनसंख्या वृद्धि के साथ देश के विकास की स्थिति 'ढाक के तीन पात वाली' बनकर रह जाती है। प्रकृति ने लोगों के लिए भूमि, वन आदि जो संसाधन प्रदान किए है, जनाधिक्य के कारण वे कम पडने लगते है तब मनुष्य प्राकृतिक असंतुलन का खतरा पैदा होता है जिससे नाना प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न होती है जनसंख्या वृद्धि के लिए हम भारतीय की सोच काफी हद तक जिम्मेदार है। यहाँ की पुरूष प्रधान सोच के कारण घर में पुत्र जन्म आवश्यक माना जाता है। भले ही एक पुत्र की चाहत में छह, सात लडकियाँ क्यों न पैदा हो जाएँ पर पुत्र के बिना न तो लोग अपना जन्म सार्थक

मानते हैं ओर न ही उन्हें स्वर्ग की प्राप्ति होती दिखती है। इसके अलावा अशिक्षा, गरीबी और मनोरंजन के साधनों का अभाव भी जनसंख्या वृद्धि में योगदान देता है। जनसंख्या वृद्धि रोकने के लिए लोगों का इसके दुष्परिणामों से अवगत कराकर जन जागरूकता फैलाई जानी चाहिए। और सरकार द्वारा परिवार नियोजन के साधनों का मुफ्त वितरण किया जाना चाहिए तथा 'जनसंख्या वृद्धि को पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए।

(ख) गाँवो की बदलती तस्वीर
- रहन–सहन का स्तर
- शिक्षा और आधुनिकता
- भविष्य की संभावनाएँ

(ग) हिन्दी हमारी पहचान
- मातृभाषा के रूप में
- संपर्क भाषा के रूप में
- हिन्दी का भविष्य

13. 'चेक बुक' खो जाने पर बैंक प्रबंधक को 80– 100 शब्दों में पत्र लिखकर सूचना देते हुए उपयुक्त कार्रवाई के लिए निवेदन कीतिए। **5**

उत्तर– सेवा में,
प्रबन्धक महोदय
बैंक शाखा
कोटा(राज.)
विषय :– चैक बुक खो जाने के संबंध में।
मान्यवर,
सविनय नम्र निवेदन है कि कल घर से चलते समय बीच रास्ते में कही चैक बुक गिर गई जिसे मालूम किया तो पता नहीं चल पाया और मुझे लेन–देन के लिए चैक की सख्त आवश्यकता है।
अतः आप से प्रार्थना है कि मुझे अतिशीघ्र चैक बुक देने की कृपा करें।
जिसका विवरण निम्न है

नाम : भारत कुमार
खाता संख्या : XXXXXXXX2615

सधन्यवाद
प्रार्थी

हस्ताक्षर

अथवा

आपके विद्यालय में कैंटीन की व्यवस्था करवाने के लिए प्रधानाचार्या को 80–100 शब्दों में धन्यवाद–पत्र लिखिए। **5**

14. विद्यालय में आयोजित होने वाली कथा प्रस्तुति के लिए हिन्दी विभाग के संयोजक की ओर से 40 – 50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए। **5**

उत्तर–

बंसल पब्लिक स्कूल

सूचना

दिनांक 29 मार्च 2020

"कथा प्रस्तुति कार्यक्रम"

विद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि आगामी पन्द्रह दिन बाद दिनांक 15 मार्च, 2020 सोमवार का प्रातः 9:00 से 12:00 बजे तक कथा प्रस्तुति कार्यक्रम रखा गया है यह कार्यक्रम हिन्दी विभाग के संयोजन से शुरू होगा।
इसमें सभी की उपस्थिति गरिमापूर्ण है।

आज्ञा से
संयोजक
हिन्दी विभाग

अथवा

आप अपने विद्यालय में विद्यार्थी परिषद् के सचिव हैं। विद्यालय में होने वाली चित्रकला प्रतियोगिता के लिए 40– 50 शब्दों में सूचना तैयार कीतिए। **5**

15. परीक्षा भवन के बाहर हिन्दी के प्रश्न–पत्र के बारे में दो मित्रों के बीच हुए संवाद को लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। **5**

उत्तर– परीक्षा समाप्त होने के पश्चात् दो मित्रों के मध्य हुए संवाद का विवरण –

राधिका : कथिका, कैसा हुआ तुम्हारा हिन्दी का प्रथमपत्र?
कथिका : मैं तो बहुत प्रसन्न हूँ, क्योंकि मेरा प्रश्न–पत्र बहुत ही अच्छा हुआ और तुमने कैसे किया?
राधिका : मुझे दो अंक का केवल एक प्रश्न स्पष्ट नहीं था, अतः मैं उसमें सही उत्तर न दे सकी।
कथिका : वह कौनसा प्रश्न था?
राधिका : जयशंकर प्रसाद की साहित्यिक सेवा का उल्लेख कीजिए? मैने उनकी भाषा–शैली का वर्णन किया।
कथिका : तुम्हें प्रसाद जी की रचनाओं का एवं भाषा– शैली के संदर्भ में उनका योगदान बताना था।
राधिका : यही तो मैं समझ न पाई और मैंने उसका गलत उत्तर लिख दिया।
कथिका : यदि तुमने भाषा–शैली के क्षेत्र में प्रसाद जी की नवीनता बताई होगी तो यह साहित्य में उनका योगदान था, अतः एक अंक तो मिल जाएगा।
राधिका : चलिए, अब तो दूसरे प्रश्न–पत्र की तैयारी करें।
कथिका : हाँ चलें।

अथवा

घर के आगँन मे अमरूद का पेड़ फलों से लद गया है। उसके बारे में बहन–भाई के बीच हुए संवाद को लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए।

16. आपने कपड़ों के छोटे–छोटे बैग तैयार किए है। उसकी बिक्री के लिए लगभग 25-50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए **5**

उत्तर–

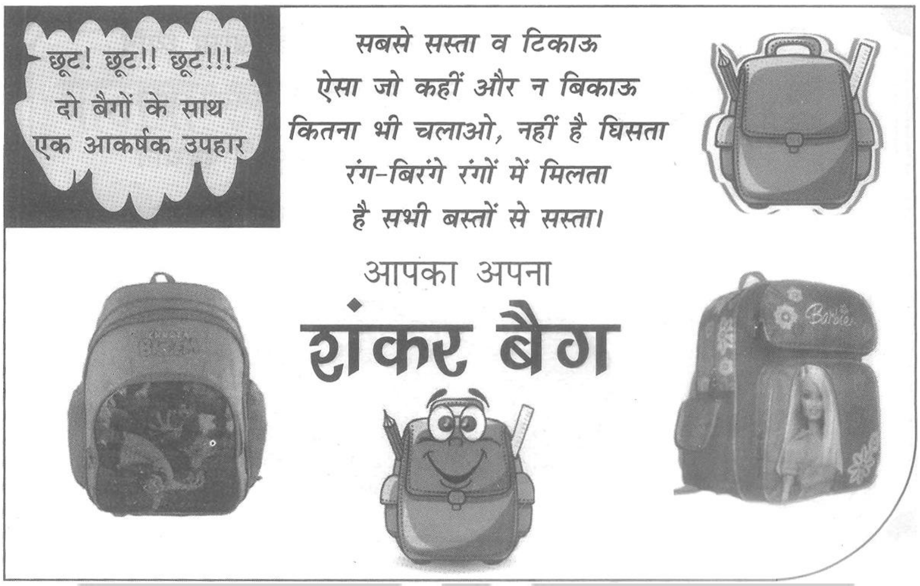

अथवा

आप अपनी पुरानी पुस्तकों को बेचना चाहते है। अपनी कॉलोनी में प्रचार के लिए लगभग 25-50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। **5**